A-613

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DVS-102

वास्तुशास्त्र के विविध आयाम

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. मानव जीवन में भारतीय ज्योतिष के शुभाशुभ प्रभाव का वर्णन कीजिये।

Q.2. मुहूर्त का वास्तुशास्त्र में क्या महत्व है, स्पष्ट कीजिये।

Q.3. स्वकल्पित उदाहरण द्वारा दो विषम संख्यक आयों का साधन करें।

Q.4. शल्योद्धार शोधन किस प्रकार किया जाता है? विधि सहित लिखिये।

Q.5. ज्योतिष शास्त्र में सिद्धांत के अंतर्गत विषयों का विवेचन कीजिये।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. वास्तुशास्त्र में पिण्डादि द्रव्यानयन के प्रकार को लिखिए।

Q.2. मास शून्य संज्ञक नक्षत्र कौन–कौन से है, उन्हें लिखिए।

Q.3. गृहारम्भ में मासों के शुभाशुभ फलों का निरूपण कीजिये।

P.T.O.

Q.4. गणतीय साधन द्वारा गृहतिथि को साधित कीजिये।

Q.5. आय के स्वरूप का वर्णन करें।

Q.6. खनन में प्राप्त पाषाणादि के द्वारा परीक्षण का फल पतिपादित कीजिये।

Q.7. अहिबल चक्र में नक्षत्र स्थापन विधि को लिखिए।

Q.8. वास्तुशास्त्रानुसार राहुमुख चक्र निर्माण विधि को लिखिए।

****